Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 18-08-2006

Participants : Kumar Shri Shailendra

an>

Title : Need to trace out the "missing people" in Delhi.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से विशेा उल्लेख के तहत सरकार का ध्यान भारत की राजधानी दिल्ली में बिगड़ती हुई कानून-व्यवस्था की स्थिति की तरफ दिलाना चाहता हूं। दिल्ली में प्रतिदिन 40 से 50 लोग लापता होते हैं जिनका नाम गुमशुदगी की रिपोर्ट में लिखा जाता है। प्रतिर्वा 15000 लोगों का अता-पता नहीं रहता है। यह जो गुमशुदगी की रिपोर्ट थानों में दर्ज होती है, मैं उसका उल्लेख कर रहा हूं। पिछले तीन वर्ों के आंकड़े देखे जाएं तो 20000 लोगों का पता नहीं चला कि वे कहां गए। 2003 में 11231 लोग लापता हुए, 2004 में 13062 लोग लापता हुए, 2005 में 14983 लोग लापता हुए जिसमें 4222 केवल बच्चे थे, 5827 महिलाएँ थीं और 3300 का पता लगा है। इस र्वा 15 अगस्त तक की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में 9772 लोग लापता हैं जिसमें सबसे ज्यादा बच्चे हैं। प्रतिर्वा 3000 अज्ञात शव दिल्ली में बरामद होते हैं, यह मैं थानों के आंकड़े बता रहा हूं। दिल्ली भारत की राजधानी है। दिल्ली पुलिस के लिए तो यह बहुत टेढ़ी खीर साबित होती जा रही है। सरकार इसका पता लगाए कि कहीं मानवों की तस्करी हो रही है या मानव आपराधिक वारदातों में लिप्त हैं, कहां जा रहे हैं, क्या बात है, क्या नहीं है, यह बड़ी चिन्ता का विाय है।

सभापति महोदय : आपकी डिमांड क्या है?

श्री शैलेन्द्र कुमार : मेरी मांग है कि पुलिस रिकार्ड में जो लोग लापता हो रहे हैं, उनके लिए सरकार पता लगाए कि ऐसे लोग कहां जा रहे हैं जिनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट सरकार में दर्ज हो रही है। यह चिन्ता का विाय है। सरकार इस पर विशेा ध्यान दे।